दृष्टि The Vision

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - VI)

GENERAL STUDIES (Test - VI)

मॉड्यूल - VI / Module - VI

DTVF/18–M–GS6

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Ravi Kumar Sihag

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 27/02/18 , 06

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Ravi Sihag

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

Introduction: B

Context: B

Language: B

Content: A

MARKS: 39 /250

Conclusion: B

Structure: B

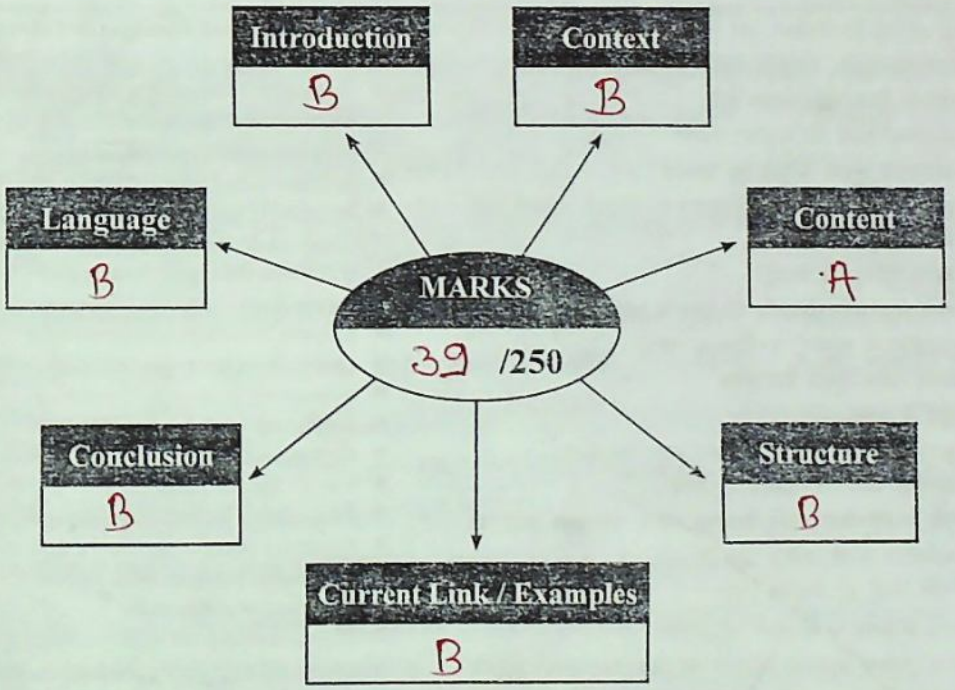

Current Link / Examples: B

169

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

मूल्यांकन की पद्धति

प्रिय अभ्यर्थियों,

आपकी उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक-समूह के सदस्य निम्नलिखित निर्देशों का ध्यान रखते हैं। आप भी इन्हें ध्यान से पढ़ें ताकि आप अपने प्राप्तांकों का तार्किक कारण समझ सकें।

परीक्षकों के लिये निर्देश

1. मूल्यांकन में अंकों का वही स्तर रखा जाना चाहिये जैसा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परीक्षकों द्वारा रखा जाता है।
2. सामान्य अध्ययन का जो उत्तर हर दृष्टिकोण से सटीक व उत्कृष्ट है; उसे अधिकतम 60% अंक दिये जाने चाहियें क्योंकि आयोग द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन में भी इससे अधिक अंक मिलना लगभग असंभव है। वैकल्पिक विषयों के उत्कृष्ट उत्तरों तथा श्रेष्ठतम निबंधों में अधिकतम 70% तक अंक दिये जा सकते हैं।
3. कृपया अंकों का वितरण निम्नलिखित तालिका के अनुसार करें-

उत्तर का स्तर (Standard of Answer)	सामान्य अध्ययन में अंक-स्तर (Marks Standard G.S.)	वैकल्पिक विषय तथा निबंध में अंक-स्तर (Marks Standard - Optional Subject and Essay)
उत्कृष्ट (Excellent)	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा (Very Good)	41-50%	51-60%
अच्छा (Good)	31-40%	41-50%
औसत (Average)	21-30%	31-40%
कमज़ोर (Poor)	0-20%	0-30%

4. कृपया उत्तर में निम्नलिखित गुणों को विशेष प्रोत्साहन दें-
   - प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा
   - संक्षिप्त, टू-द-पॉइंट लेखन शैली
   - प्रामाणिक तथ्यों का समुचित उपयोग
   - अधिकतम जरूरी बिंदुओं का समावेश
   - सरकारी दस्तावेज़ों (मंत्रालयों/आयोगों की रिपोर्ट्स, पॉलिसी पेपर्स आदि) के संदर्भों की चर्चा
   - प्रभावी भूमिका व निष्कर्ष
   - समकालीन घटनाओं/प्रसंगों को उत्तर से जोड़ना
   - दृष्टिकोण में संतुलन, समावेशन व गहराई
   - अच्छी, साफ-सुथरी हैंडराइटिंग
   - भाषा मे प्रवाह
   - आवश्यकतानुसार डायग्राम्स, नक्शों आदि का प्रयोग
   - तकनीकी शब्दावली का सटीक उपयोग
   - सुंदर प्रस्तुति शैली (छोटे पैराग्राफ्स रखना, महत्त्वपूर्ण शब्दों को अंडरलाइन करना आदि)
   - विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग
   - भाषा में वर्तनी व व्याकरण की शुद्धता
5. टॉपर्स के अनुभव बताते हैं कि उत्तर की विषयवस्तु अच्छी होने पर आयोग के परीक्षक शब्द-सीमा के थोड़े बहुत उल्लंघन पर अंक नहीं काटते हैं। कृपया आप भी इसी दृष्टिकोण के अनुसार अंक-निर्धारण करें।

Method of Evaluation

Dear Candidates,

While assessing your answer-scripts, the evaluators are required to follow the given instructions. You should also read them carefully to understand the logic behind the marks obtained by you in the tests.

Instructions for the Evaluators

1. The level of marks while evaluating the answers should be kept as per UPSC (Union Public Service Commission) standards as far as possible.
2. The answers of General Studies which are accurate and excellent from every perspective should be awarded a maximum of 60% marks as it is almost impossible to get more than that in actual UPSC examination. Excellent answers in optional subjects and the best written essays can be awarded a maximum of 70% marks.
3. Please assign the marks according to the following table-
4. Please devote special attention to the following qualities in an answer–
   - Accurate understanding of the question and systematic presentation of the answer
   - Crisp and to the point writing style
   - Adequate use of authentic facts
   - Inclusion of all the important points
   - Citing of relevant facts and figures from relevant official documents (Ministries /Commissions Reports, Policy Papers etc.)
   - Effective introduction and conclusion
   - Linking of current events and situations with the answer
   - Balance and depth in answer-writing
   - Legible and clean handwriting
   - Flow of language
   - Use of diagrams, maps etc
   - Precise use of technical terminology
   - Beautiful presentation style (small paragraphs, underlining important words etc.)
   - Proper use of punctuations
   - Correct spellings and right use of grammar
5. Experience of UPSC toppers also indicates that if the content of the answer is good, the UPSC examiners do not cut the marks on slight violations of the word-limit. Please award marks strictly according to the above-mentioned instructions.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

1. एस.सी.ओ. और अश्गाबात समझौते में भारत की सदस्यता इस सच्चाई की अभिव्यक्ति है कि भारत के हित जितने हिन्द महासागर से जुड़े हैं उतने ही यूरेशियाई भू-भाग से भी। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

India's membership of the SCO and Ashgabat Agreement is a manifestation of the reality that India's interests are as much in the Indian Ocean as the Eurasian landmass. Discuss. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

उ। गत वर्ष भारत का शंघाई सहयोग संगठन और हाल ही में अश्गाबाद समझौता जो कि विभिन्न ~~मध्य एशि~~ मध्य एशिया के देशों ~~के~~ को यातायात हेतु समझौता है, के साथ जुड़ना भारत का इस क्षेत्र में लाभ की संभावनाओं के दोहन की आकांक्षा को व्यक्त करता है।

जहाँ एक ओर हिन्द महासागर भारत के व्यापार (मात्रा की दृष्टि से 95%), आंतरिक सुरक्षा, एक्ट ईस्ट नीति, मैरीटाइम नीति, ब्लू अर्थव्यवस्था, संसाधन विदोहन के नजरिए से महत्वपूर्ण है तो वहीं उपर्युक्त समूहों से भारत का जुड़ना भी इसी प्रकार के हितों की पूर्ति का माध्यम बनेगा। जैसे-

(i) संसाधनों की ~~प्रचु~~ प्रचुरता- कजाखस्तान् यूरेनियम उत्पादन में विश्व में प्रथम, मध्य एशियाई एवं रूस से तेल व गैस की उपलब्धता, तापी गैस पाइपलाइन समझौते हुए महत्वपूर्ण।

(ii) आंतरिक सुरक्षा :- पाकिस्तान, अफगानिस्तान में बढ़ता आतंकवाद, कट्टरपंथी समस्याएँ। आई.एस.आई.एस का पूर्व की ओर फैलाव आदि के कारण भारत को इन संगठनों के माध्यम से आंतकवाद को रोकने में

(Evaluator's remarks in margin: सटीक लिखें ↓ मध्य एशिया एवं फारस की खाड़ी के बीच वस्तुओं की आवाजाही को सुगम बनाने वाला एक अन्तर्राष्ट्रीय परिवहन एवं पारगमन गलियारा है। / भारत की सदस्यता के निहितार्थों को सटीक व स्पष्ट तरीके से बतायें और विस्तार भी दें। / मात्रात्मक अशुद्धियों पर ध्यान दें।)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

मदद मिलेगी।

(iii) मध्य एशिया के साथ-साथ इस क्षेत्र के माध्यम से यूरोप तक में व्यापार की वृद्धि।

(iv) चीन-पाक गठबंधन पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

(v) विभिन्न परियोजनाएँ जैसे आई. एन. एस. टी. सी. कॉरिडोर, जारांग-दालाराम हाइवे आदि को पूर्ण करने में भी सहायता मिलेगी।

इस प्रकार दक्षिण में समुद्री हितों को साधने के साथ-साथ भारत को विश्व शक्ति बनने के लिए उत्तर के देशों के साथ भी सहयोग एवं संबंध मजबूत बनाने के लिए उपर्युक्त दोनों मंच महत्वपूर्ण साबित होंगे।

यूरेशियाई भू भाग के सन्दर्भ में भारत के हितों की भी संक्षेप में चर्चा करें।

भारत को सदस्यता यूरेशिया में भारत की महत्वाकांक्षा को पूरा करने में सहायक होगी।

• विषयवस्तु को और समृद्ध करते हुए उत्तर को और विस्तार दें।
• लेखनशैली और बेहतर करें।

4/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. जब से भारत ने 1974 में शांतिपूर्ण परमाणु परीक्षण किया, तब से यह परमाणु प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व्यवस्था की अस्वीकृति के निशाने पर रहा है। हालाँकि, अब भारत परमाणु क्लब के लिये परित्यक्त देश नहीं रहा है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Ever since India conducted peaceful nuclear explosion in 1974, it has been at the receiving end of technology denial regime. However, India is no longer a pariah state for the global nuclear clubs. Discuss. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत के 1974 में पोखरण परीक्षण के बाद परमाणु शक्ति सम्पन्न देशों ने सी.टी.बी.टी. एवं परमाणु अप्रसार संधि, ~~एन.एस.जी~~ तथा परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह, वासेनार अरेंजमेंट, ऑस्ट्रेलिया ग्रुप एवं मिसाइल टेक्नोलॉजी कन्ट्रोल रिजीम आदि के माध्यम से भारत को परमाणु एवं अन्य प्रौद्योगिकियों के स्थानान्तरण से वंचित रखा। परंतु हाल के वर्षों के घटनाक्रमों से पता चलता है कि ये अस्वीकृतियाँ अब प्रासंगिक नहीं रहीं। इसके निम्न कारण हैं-

(i) भारत का एक 'ज़िम्मेदार' परमाणु शक्ति सम्पन्न देश के रूप में खुद को स्थापित करना

(ii) भारत की समस्त परमाणु नीति एवं मानक अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाए गए हैं।

(iii) अमेरिका के साथ 2008 में परमाणु समझौता होना भी इस क्षेत्र में भारत के कद को बढ़ाता है।

(iv) 'पहले प्रयोग नहीं' जैसी उच्च नैतिकता युक्त नीति को अपनाना

(v) परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण कार्यों के लिए प्रयोग जैसे ऊर्जा उत्पादन, चिकित्सा आदि क्षेत्र में।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

NSG द्वारा

इस सभी कारणों के कारण विकसित देशों द्वारा भारत के प्रति लचीला रुख अपनाया है। चूंकि भारत एक विकासशील देश है, सर्वाधिक वृद्धिशील अर्थव्यवस्थाओं वाला देश होने के नाते एवं महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश की हैसियत से हाल ही में वासेनार अरेंजमेंट, ऑस्ट्रेलिया ग्रुप एवं एम-टी-सी-आर ग्रुप में भारत को शामिल करना भी इसी कथन की पुष्टि करता है।

- विषयवस्तु व प्रस्तुतिकरण दोनों स्तरों पर सुधार की जरूरत।
- नियमित अभ्यास करें।

3½/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. यद्यपि अतीत में भारत और आसियान निश्चित रूप से एक-दूसरे से लाभान्वित हुए हैं, लेकिन भविष्य को संवारने की दृष्टि से वे अभी एक-दूसरे के लिये उतने महत्त्वपूर्ण नहीं बन पाए हैं। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

While India and ASEAN have certainly benefitted from each other in the past, they are yet to become key elements in shaping each other's future. Critically examine. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद 1992 से शुरू 'पूर्व की ओर देखो' नीति के प्रमुख घटक के रूप में आसियान देशों का प्रमुख स्थान है। भारत के कुल व्यापार में लगभग 10% का हिस्सा रखने वाले इस समूह के साथ संबंधों के विकास की असीम संभावनाएँ मौजूद हैं। दोनों क्षेत्रों द्वारा बढ़ता व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, सेवा क्षेत्र में वृद्धि, ट्रांजिट कूटनीति (आई.एम.टी. कॉरीडोर), मेकांग गंगा कॉर्पोरेशन, दक्षिणपंथी ताकतों के विरोध में नया शिक्षा (नालंदा विश्वविद्यालय एवं द.पू. देश), चीन के साथ विवाद में भारत का सहयोग आदि क्षेत्रों में विकास किया है परन्तु अभी भी लाभ के पूर्ण दोहन की स्थिति नहीं है जिसके निम्न कारण है-

(i) निवेश की कमी - चीन का मार्च 2017 तक इस क्षेत्र में 13 अरब $ का निवेश था जबकि भारत का केवल 317 मिलियन $। इसके अलावा चीन द्वारा चैक बुक कूटनीति (ट्रेक III) आदि के द्वारा मलेशिया आदि देशों में अपनी पैठ को मजबूत बनाया जा रहा है।

महत्ता को पैराग्राफ चेंज करके लिखें और विस्तार दें।

अन्य तरीकों में लिखें ↓ चीन की आक्रामक नीति को संतुलित करने में महत्वपूर्ण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(ii) अवसंरचना विकास की कमी एवं परियोजनाओं जैसे के॰ आई॰ एम॰ टी॰ कॉरीडोर में होने वाली देरी भी जिम्मेदार है

(iii) ओबोर परियोजना का बढ़ता प्रभाव

(iv) [redacted] - यातायात संरचनाओं का अभाव एवं भारत के उत्तरी-पूर्वी राज्यों की कमजोर स्थिति।

(v) बढ़ता हुआ कट्टरवाद।

इन सभी कारणों की वजह से संबंधों को ऊँचाई पर ले जाने में कई बाधाएँ हैं। हालांकि 2014 के बाद से 'लुकईस्ट' का 'एक्ट ईस्ट' में रूपान्तरण एवं भारतीय नीतियों की समुद्री एवं दक्षिण पूर्वी क्षेत्र में 'पूर्व सक्रिय दृष्टिकोण' भविष्य में संबंधों के प्रगाढ़ीकरण का संकेत भी देता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य भी लिखें
↓
भारत, म्यांमार और थाइलैंड की त्रिपक्षीय हाइवे निर्माण की परियोजना अभी चल रही है।

विषयवस्तु को और समृद्ध और विस्तार दें। लेखनशैली और बेहतर करने का प्रयास करें।

5/10

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. इज़राइल और फिलिस्तीन के संदर्भ में भारत द्वारा 'परंपरागत सामान्य नीति से हटकर दोनों के संदर्भ में पृथक नीति' (de-hyphenated policy) अपनाने में भारत के समक्ष कौन-कौन सी चुनौतियाँ और संभावनाएँ हैं। हालिया द्विपक्षीय यात्राओं के आलोक में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

What are the challenges and opportunities for India in pursuing a de-hyphenated policy with respect to Israel and Palestine? Analyse in light of the recent bilateral visits. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

हाल के वर्षों में इजराइल के साथ संबंधों तथा दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की यात्राओं ने भारतीय विदेश नीति में एक नया अध्याय पेश किया है जो 'डिप्लोमेटिक शिफ्ट' एवं 'डि-हाइफनेशन' अर्थात पृथक कर देखने की नीति का उदाहरण पेश करता है।

~~इस नीति~~ को अपनाने से संभावनाएँ

(i) भारत और इजराइल में द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद गठन होना, आतंकवाद, पड़ोसी देशों से युद्ध जैसे समानताओं के कारण ये नैसर्गिक साझेदार बन सकते हैं।

(ii) इजराइल इच्छा, विकास एवं प्रौद्योगिकी का एक सशक्त उदाहरण पेश करता है जो भारत के लिए प्रेरणा एवं आकर्षण का विषय है।

(iii) सोवियत विघटन के बाद भारत को एकध्रुवीय विश्व में हथियारों आदि के लिए हथियारों पर निर्भरता हेतु इजराइल की जरूरत है (खरीद विविधीकरण)

(iv) ~~जहाँ पश्चिमी एशियाई देश~~ दोनों देशों के मध्य भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान भी 'आई4 जी' फंड, जल लवणीकरण के उपचार, कृषि पर कार्य-योजना, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियाँ, छोटे उपग्रहों के निर्माण आदि जैसे समझौते हुए तथा इजराइली प्रधानमंत्री

डी हाइफनेटेड नीति को सही तरीके स्पष्ट करते हुए भूमिका लिखें

दो राष्ट्र समाधान, फिलिस्तीन व इजरायल नीति का खण्डन और केवल इजरायल के दौरे पर जाना

लाभ को योग संक्षेप में दें।

मानवीय सहायताओं पर ध्यान दें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

की भारत यात्रा के दौरान भी सैन्य क्षेत्रों के अलावा 7 अन्य समझौते हुए जो कि अंतरीक्ष, सहफिल्म निर्माण आदि क्षेत्र से संबंधित है

(iv) रक्षा आयात में संभावनाएँ। साथ ही 'मेक इन इंडिया' में भी इजराइल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इजराइल की कंपनी भासचैलेंज एवं नेसकॉम द्वारा 10 भारतीय स्टार्टअप की वित्तीय मदद भी उल्लेखनीय है

इस लाइन को स्पष्ट लिखें।

चुनौतियाँ :-

(i) फिलीपींस के मुद्दे पर असमंजस

(ii) पश्चिमी राष्ट्रों के साथ संबंधों पर असर पड़ सकता है जहाँ लाखों भारतीय कर्मगार हैं एवं धन विप्रेषण एवं ऊर्जा सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्रोत है

(iii) गुट-निरपेक्षता की नीति का उल्लंघन माना जाना।

(iv) कुछ आलोचक इन संबंधों को भारतीय साम्राज्यवादी विरोध एवं गैर-आक्रमणकारी नीति का उल्लंघन मानते हैं विशेषत: फिलीस्तीन के संबंध में

अन्य महत्वपूर्ण चुनौतियों को लिखें, ↓ भारत की छवि धूमिल

कामगार ↓ वर्तनी अशुद्धि पर ध्यान दें

परंतु स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि भारत के इजराइली संबंध फिलीस्तीन की कीमत पर नहीं है। भारत का संयुक्त राष्ट्र में फिलीस्तीनी ध्वज के पक्ष में मत देना, फिलीस्तीनी प्राधिकरण के बजाय फिलीस्तीनी राज्य का समर्थन एवं हाल ही में सं. रा. महासभा में येरुशलम को इजराइल की राजधानी बनाने के अमेरिकी प्रस्ताव के विरोध में मत देना इस बात की पुष्टि करता है।

4½/10

निष्कर्ष दें।

विषयवस्तु संक्षिप्त करें। पुनरावृत्ति के स्थान पर विस्तार दें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

5. अगर भारत अपने छोटे पड़ोसी देशों के साथ मतभेदों को नहीं सुलझाएगा, तो इससे भारत के पड़ोस में सिर्फ चीन की संलग्नता बढ़ेगी और कुछ नहीं। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

If India does not resolve its differences with its small neighbors, it will only pave the way for China to assert itself more in the India's neighbourhood. Discuss. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

चीन की भारतीय नीति का अवलोकन करने पर हम पाते हैं कि चीन एशिया में दो महाशक्तियाँ नहीं चाहता। साथ ही, वह भारत की के साथ सीमा-विवाद होने के कारण लगातार भारत को घेरने के प्रयास में रहता है। अतः भारत को इस घेराव से बचने हेतु पड़ोसी राज्यों के साथ संबंध अच्छे करने ही होंगे। कुछ उदाहरण से समझा जा सकता है।

(i) पाकिस्तान जो कि भारत का स्थाई शत्रु है, में चीन का प्रभाव स्पष्टतः दर्शनीय है - सी.पी.ई.सी. कॉरिडोर, ग्वादर बंदरगाह, परमाणु कार्यक्रम आदि।

(ii) नेपाल में भारत के राजनीतिक विवाद हुए एवं चीन ने युद्धाभ्यास, माओवादी विचारधारा, पन बिजली परियोजनाओं, निवेश, ऋण से वहाँ भी पैर पसारे हैं

(iii) श्रीलंका में सिंहली, तमिल एवं मछुआरों के विवाद - हंबनटोटा बंदरगाह का लीज पर दिया जाना।

(iv) म्यांमार में भी चीनी निवेश पर्याप्त हो रहा है। वहाँ के कोको द्वीप पर चीन का नौसेना बेस व निगरानी राडार भी स्थापित है

अतः उपर्युक्त उदाहरणों से स्पष्ट होता है एवं साथ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ही चीन की 'वन बेल्ट वन रोड' नीति में भारत के लगभग सभी पड़ोसियों का हिस्सा होना, मोतियों की माला (स्ट्रींग ऑफ पर्ल्स), चेक-बुक डिप्लोमेसी, अधिक निर्यात से भारत को घेरकर अपना प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास चीन करता है

भारत को भी पड़ोसियों के साथ सीमा-विवाद हल कर विश्वास बहाली के उपाय मजबूत करने चाहिये।

- क्षेत्रीय संगठनों जैसे सार्क, बिम्सटेक आदि को पुनर्जीवित कर प्रचलन में लाना चाहिये
- व्यापार गतिरोधों को दूर करना चाहिये। विभिन्न नृजातीय, शरणार्थी, सीमा विवादों का स्पष्ट समाधान करने का प्रयास करना चाहिये।
- 'बिग ब्रदर' दृष्टिकोण के बजाय 'एल्डर ब्रदर' दृष्टिकोण में रूपान्तरण करना एवं 'गुजराल सिद्धान्त' पर बल देना चाहिये।

भारत द्वारा किये गये प्रयासों की भी चर्चा करें

विषयवस्तु को और समृद्ध करते हुए उत्तर को विस्तार दें

4/10

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. रोहिंग्या शरणार्थी संकट, स्वहित और पड़ोस की अपेक्षाओं में संतुलन कायम करने की भारत की क्षमता का परीक्षण है। विशदीकरण कीजिये। (150 शब्द) 10

Rohingya refugee crisis is a test of India's ability to balance self-interest and neighbor's expectations. Elucidate. (150 words) 10

हाल ही में म्यांमार सरकार द्वारा देश के अल्पसंख्यक मुस्लिम रोहिंग्याओं पर अत्याचार करने के कारण भारत में भी बांग्लादेश के रास्ते से शरणार्थी का संकट बढ़ गया है। इस संकट के संबंध में भारत के सामने दो विडंबनाएँ हैं-

स्वहित :- शरणार्थियों द्वारा भारत में निम्न चुनौतियाँ पैदा होंगी।

(i) देश के संसाधनों पर अधिक दबाव
(ii) जनांकीय अतिक्रमण की स्थिति
(iii) आंतरिक सुरक्षा को खतरा क्योंकि ये शरणार्थी कट्टरपंथी ताकतों के आसानी से शिकार होकर सुरक्षा हेतु खतरा उत्पन्न कर सकते हैं
(iv) देश के राज्यों जैसे (जम्मू-कश्मीर, असम) आदि द्वारा विरोध। भारत में पहले से ही अवैध प्रवासियों की समस्या रही है।

इस हेतु भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने अवैध शरणार्थियों जो कि लगभग 40,000 हैं की पहचान कर उसे पुनः निर्वासित करने की योजना बनाई है। इस संबंध में भारत की विदेश नीति की परीक्षा निम्न प्रकार से हो सकती है-

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright © Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(i) बांग्लादेश में वापिस भेजने से वहाँ की सरकार के साथ संबंध खराब होने की आशंका

(ii) म्यांमार के साथ भी यदि दबाव बनाते हैं तो यह आंतरिक मामलों के हस्तक्षेप की भारतीय विदेश नीति के सिद्धान्तों का उल्लंघन होगा।

(iii) विश्व स्तर पर अच्छा संदेश नहीं जाएगा क्योंकि भारत महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है एवं शरणार्थियों का बलात् निष्कासन छवि को खराब करेगा।

क्या किया जाना चाहिये :-

(i) संयुक्त राष्ट्र संघ के माध्यम से म्यांमार पर दबाव बनाकर एवं कोफी अन्नान रिपोर्ट को लागू करवाने का कार्य किया जा सकता है

(ii) शरणार्थियों के आवास, भोजन की व्यवस्था की जानी चाहिये एवं म्यांमार में शांति स्थापित होने पर ही उनका युक्तियुक्त एवं कानूनी तरीके से निष्कासन सुनिश्चित करना चाहिये। अन्यथा यह उनके जीवन जीने के अधिकार (अनुच्छेद -21, उच्चतम न्यायालय के अनुसार शरणार्थी को भी प्राप्त) का उल्लंघन होगा व भारतीय छवि भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खराब होगी।

(iii) बांग्लादेश व म्यांमार से वार्ता कर मुद्दे को सुलझाने का प्रयास किया जाना चाहिये।

अन्य महत्वपूर्ण सुझाव भी दें। भारत को आक्रामक प्रतिक्रिया से बचना चाहिए।

निष्कर्ष लिखें।

विषयवस्तु व प्रस्तुतिकरण दोनों को और बेहतर करने का प्रयास करें।

5/10

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. अमेरिका ने अफगानिस्तान में स्थिरता एवं शांति सुनिश्चित करने में भारत की महत्त्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया है। क्या आपको लगता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका की अफगान नीति को लेकर "नई दिशा" से भारत को अफगानिस्तान के प्रति अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करना चाहिये? अपने दृष्टिकोण को उचित ठहराने के लिये उपयुक्त कारण बताइये। (150 शब्द) 10

US has recognized India's pivotal role in stabilizing and ensuring peace in Afghanistan. Do you think this "new direction" in the United States' Afghan strategy should make India re-think its approach towards Afghanistan? Give reasons to justify your viewpoint. (150 words) 10

हाल ही में अमेरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई 'अफगान नीति' की घोषणा की है एवं इसमें पाकिस्तान की भूमिका को सीमित करते हुए अफगानिस्तान के विकास में भारत की भूमिका स्वीकार की गई है। नीति में अधिक सैन्य स्वायत्तता, राजनीतिक समाधान, पाकिस्तान की अनिश्चितता एवं विजय प्रभुत्व जैसे पक्षों का वर्णन है।

भारत को भी चाहिये कि अफगानिस्तान के मुद्दे पर थोड़ा पूर्व सक्रिय दृष्टिकोण (pro-active approach) तथा प्रतिरक्षात्मक नज़रिए के बजाय ऑफेंसिव (offensive) नजरिया अपनाया जाए। इसके निम्न कारण है-

(i) चीन-पाक के बढ़ते गठजोड़ के कारण भारत को ~~पाकिस्तान~~ अफगानिस्तान के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करना चाहिये।

(ii) ~~चूंकि~~ अफगानिस्तान प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से एक सम्पन्न देश है

(iii) अन्य मध्य एशियाई देशों के साथ जुड़ाव एवं

यहाँ संक्षेप में भारत अफगानिस्तान सम्बन्धों की चर्चा करना प्रासंगिक होगा

लाभ ↓ बेहतर पड़ोसी

सटीक लिखें ↓ लाभ व सुझाव से सम्बन्धित तथ्यों को अलग अलग स्पष्ट तरीके से दिखाएँ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

व्यापार वृद्धि हेतु

(iv) कट्टरपंथी ताकतों - तालिबान, आई.एस पर लगाम लगाने हेतु अफगानिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाना जरूरी है।

(v) कुछ समय पहले अमृतसर में हुए 'इस्तांबुल प्रोसेस' की बैठक में अफगानिस्तानी राष्ट्रपति द्वारा भी भारत से अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की बात की गई थी। साथ ही भारत की भूमिका बढ़ने पर पाकिस्तान की भूमिका में कमी आना तय है। (एशियाई विकास सम्मेलन)

परन्तु ध्यान रखना होगा कि अफगानिस्तान में राजनीतिक स्थिरिता आए एवं कदम-दर-कदम विचार करते हुए विश्वास में लेते हुए विकास कार्य किए जाएँ क्योंकि अफगानिस्तान के बारे में एक प्रसिद्ध लेखक का कथन है - 'इट इज ए ग्रेवयार्ड व्हेयर इवन ऐंजल्स फीयर टू ट्रेड'

वर्तनी अशुद्धि पर ध्यान दें।

• विषयवस्तु को और समृद्ध करते हुए उत्तर को विस्तार दें। लेखनशैली और बेहतर करें।

3/10

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

8. हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक शुद्ध सुरक्षा प्रदाता (net security provider) के रूप में अपनी उभरती भूमिका के निर्वहन में भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा? (150 शब्द) 10

What challenges will India have to address while embracing its emerging role as a net security provider in the Indo-Pacific region? (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

'शुद्ध सुरक्षा प्रदाता' से तात्पर्य है कि अपनी सुरक्षा चुनौतियों को पहचानते हुए उन्हें निकटतम पड़ोसी देशों की साझा चुनौतियों से मिलान करते हुए सामूहिक सुरक्षा प्रदान करना जैसे आपदा प्रबंधन, समुद्री लुटेरों की समस्या आदि।

भारत को अपनी मैरीटाइम पॉलिसी के सफल क्रियान्वयन के लिए हिंद-महासागरीय क्षेत्र (IOR) में शुद्ध सुरक्षा प्रदाता की भूमिका निभानी पड़ेगी परंतु उसमें निहित चुनौतियाँ निम्न हैं -

(i) भारत के पास रक्षा उपकरणों की कमी है। चूंकि भारत स्वयं आयात करता है अतः पड़ोसी देशों को सैन्य सहायता, प्रशिक्षण, तकनीकी हस्तान्तरण में कठिनाई होती है।

(ii) कई देशों के साथ समन्वय एवं सहयोग की कमी है, इस कारण भी समुचित एवं प्रभावी सुरक्षा उपाय संभव नहीं हो पाते हैं

(iii) कई बार भारत के प्रयासों को गलत अर्थों में लिया जा सकता है जैसे श्रीलंका में 'भारतीय शांति सेना' का उचित प्रभाव नहीं पड़ा।

(iv) भारतीय सेना में भी गलती फैसलों, देरी

(Margin notes: भारत प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका संक्षिप्त चर्चा करें। / चुनौतियाँ ↓ स्वास्थ्य, ऊर्जा, क्षेत्रीय सम्पर्क तथा बिजली क्षेत्र में चुनौती / सटीक लिखें ↓ सुरक्षा प्रदाता की भूमिका निभाने में [illegible] चुनौतियों का सामना करते हुए लिखें)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

विमानों, राडारों, उचित प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी भी एक सीमा है।

(v) बढ़ता चीनी प्रभाव - म्यांमार के कोको द्वीप पर सैन्य अड्डा, निगरानी राडार; श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह की लीज; मालदीव में भी बढ़ता चीनी प्रभाव आदि।

अतः इन चुनौतियों पर काबू पाकर, भारत की रक्षा व्यवस्था में स्वदेशीकरण, मेक इन इंडिया के तहत उत्पादन, अनुसंधान एवं विकास पर अधिक खर्च कर तकनीकी विकास के द्वारा इस क्षेत्र की सुरक्षा के उपाय किए जाने चाहिये। साथ ही ब्लू-नेवी को विकसित करना भी एक महत्वपूर्ण सुझाव हो सकता है।

3½/10

विषयवस्तु व प्रस्तुतिकरण दोनों को और बेहतर करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

9. उदारीकरण के बाद से भारत की विदेश नीति किस प्रकार विकसित हुई है और वर्तमान में कौन-से कारक इसे सबसे अधिक प्रभावित कर रहे हैं? (150 शब्द) 10

How has India's foreign policy evolved since liberalization and which factors are influencing it the most at present? (150 words) 10

सोवियत संघ के विघटन के बाद भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं जिसके प्रमुख आधार स्तम्भ इस प्रकार हैं-

(i) पूर्व की ओर देखो नीति (1992) - उदारीकरण पश्चात् व्यापार, निवेश के नये क्षेत्रों हेतु प्रयास करना।

(ii) गुजराल डॉक्ट्रिन (1996) :- पड़ोसी देशों को बिना शर्त के एकाधिकार रियायतें प्रदान करना ताकि पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण संबंध स्थापित हों।

(iii) पश्चिम की ओर देखो नीति :- 2005 में शुरू। 9/11 हमले के बाद मनमोहन सिंह द्वारा प्रयास किए गए।

(iv) अमेरिका से संबंधों की प्रगाढ़ता :- कारगिल युद्ध के बाद, बिल क्लिंटन की यात्रा, 9/11 के बाद संबंध मजबूत, 123 समझौता, लेमोआ, बी.बी.आई.टी. समझौता आदि।

(v) अभी हाल ही में भारत की विदेश नीति में पड़ोसी देशों को अधिक महत्व देना, संपूर्ण क्षेत्र के लिए नीति निर्धारण, पूर्व सक्रिय नीति, एक्ट ईस्ट नीति आदि प्रमुख विकास हैं।

(vi) चीन के साथ व्यापारिक संबंध बढ़ाने पर जोर साथ ही विभिन्न देशों के साथ टैक I, II, 1.5,

[Examiner's marginal notes in red: "सटीक भूमिका देते हुए इन नीतियों की संक्षेप में चर्चा करें"; "वर्तमान परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट तरीके से लिखें"]

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

आदि नीतियों पर प्रमुख ज़ोर देना।

वर्तमान में प्रभावित करने वाले कारण :-

(i) चीन कारक :- चीनी के [illegible] प्रभुत्व पर अंकुश लगाने हेतु भारत द्वारा अपनी नीतियों का निर्माण भी किया जाता है

(ii) पड़ोसी राज्य :- प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शपथ-ग्रहण समारोह में सभी पड़ोसी राष्ट्राध्यक्षों को बुलाया जाना इसे निरूपित करता है।

(iii) हिंद महासागर :- भारत की मैरीटाइम पॉलिसी में इस क्षेत्र में शुद्ध सुरक्षा प्रदाता, ब्लू इकोनॉमी के विकास के प्रयास, ब्लू नेवी के विकास हेतु यह क्षेत्र भारत द्वारा अधिक वरीयता प्राप्त करता है।

(iv) आसियान देश :- लुक ईस्ट का एक्ट ईस्ट में रूपान्तरण यही पुष्ट करता है।

(v) आतंकवाद :- भारत द्वारा विभिन्न मंचों पर उपस्थिति, एस-सी-ओ (SCO) की सदस्यता इसी कारण से हुई है।

भारतीय विदेश नीति को प्रभावित करने वाले कारकों को सटीकता से दिखायें
↓
• आतंकवाद
• प० एशिया में संघर्ष की स्थिति

सटीक व स्पष्ट लिखें

विषयवस्तु व प्रस्तुतिकरण दोनों स्तरों की सुधार की जरूरत

2/10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता प्राप्त करने में भारत के समक्ष कौन-सी चुनौतियाँ हैं? इस बात का भी परीक्षण कीजिये कि यदि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बन जाता है तो इससे भारत को क्या लाभ होगा? (150 शब्द) 10

What are the challenges for India in getting a permanent membership in UNSC and also examine how India stands to benefit if it becomes a permanent member of UNSC. (150 words) 10

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

सटीक भूमिका है

सुरक्षा परिषद का संक्षिप्त परिचय देते हुए भी भूमिका लिखी जा सकती थी

विश्व की सर्वाधिक विकास वृद्धि दर, सर्वाधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाला तथा विकासशील देशों के हितों का संरक्षक होने के नाते भारत संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट का हकदार है। परन्तु इसमें निम्न चुनौतियाँ विद्यमान हैं-

(i) इसके लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा के 3/4 सदस्यों की मंजूरी आवश्यक होगी।

(ii) यदि एशियाई प्रतिनिधित्व की बात की जाए तो यहाँ जापान का वित्तीय योगदान भारत की अपेक्षा अधिक है।

(iii) भारत ने 'परमाणु अप्रसार संधि' पर भी हस्ताक्षर नहीं किए हैं

(iv) चीन द्वारा अप्रत्यक्ष विरोध करना क्योंकि भारत की सदस्यता चीनी प्रभुत्व पर अंकुश का काम करेगी।

विस्तार दें।

भारत के लिए संभावित लाभ:-

(i) विकसित देशों का संयुक्त राष्ट्र संघ में एकाधिकार कम होगा।

(ii) भारत विकासशील देशों के हितों का संरक्षण अधिक अच्छे तरीके से कर पाएगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) 'संरक्षण की जिम्मेदारी' के सिद्धान्त का दुरुपयोग कम करने में मदद मिलेगी (R2P)

(iv) आतंकवाद पर नियंत्रण के भारतीय प्रयासों को वैश्विक समर्थन हासिल होगा। चीन द्वारा 'समीति 1267' के प्रस्तावों पर वीटो करने की कार्यवाहियों में कमी आएगी एवं 'सी.सी.आई.टी.' (Comprehensive convention on International terrorism) जैसे संधियाँ लागू करने में भारत को मदद मिलेगी।

(v) संयुक्त राष्ट्र संघ के लोकतांत्रिकरण में मदद मिलेगी जिसमें विश्व में एशिया एवं एशिया में भारत अपने राष्ट्रीय हित साध सकेगा।

अन्य महत्वपूर्ण लाभ लिखें ↓ सुधार पावा की दृष्टि

लोकतंत्रीकरण

वर्तनी अशुद्धि पर ध्यान दें।

निष्कर्ष दें।

विषयवस्तु व प्रस्तुतिकरण दोनों स्तरों पर सुधार की जरूरत।

3/10

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. हालिया यूएनएचसीआर रिपोर्ट भारत को अवैध प्रवासन के प्रमुख गंतव्य के रूप में उजागर करती है। इसके साथ जुड़े सुरक्षा जोखिमों और इस खतरे से निपटने के लिए आवश्यक उपचारात्मक उपायों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

The recent UNHCR report highlights India as one of the prime destination for illegal migration. Discuss the security risks associated with it and the remedial measures needed to address this threat. (250 words) 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हाल ही में हुए संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग की रिपोर्ट भारत को अवैध प्रवासन के प्रमुख गंतव्य के रूप में उजागर करती है। भारत के पड़ोसी देशों में बढ़ता उग्रवाद, खुली सीमाएँ तथा सीमाविवाद के कारणों से यह मामला संवेदनशील हो जाता है।

अवैध प्रवासन के प्रमुख खतरे :-

(i) भारत के आर्थिक एवं अन्य संसाधनों पर अनुचित दबाव पड़ता है जिसके कारण विकास की प्रक्रिया मंद पड़ती है।

(ii) जनांकीय आक्रमण :- कई जगह वहाँ के मूल ~~जगह के~~ स्थानीय निवासी अल्पसंख्यक हो जाते हैं एवं उत्पीड़न का शिकार होते हैं।

(iii) राज्यों द्वारा विरोध :- विभिन्न राज्यों जैसे असम समेत लगभग उत्तरी पूर्वी राज्य इस समस्या से परेशान हैं और वे इनका विरोध करते हैं, फलस्वरूप अशांति उत्पन्न होती है

(iv) आंतरिक सुरक्षा को खतरा :- शरणार्थी आर्थिक,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सामाजिक, राजनीतिक रूप से कमज़ोर होने के कारण विभिन्न कट्टरपंथी ताकतों द्वारा देश विरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल किये जा सकते हैं। कुछ समय पहले बिहार के महाबोधि में हुए विस्फोट के पीछे रोहिंग्या मुसलमानों पर हुए अत्याचार के प्रतिशोध की भी आशंका जताई जा रही है।

खतरे से निपटने के उपाय :-

(i) राष्ट्रीय नागरिक रजिस्ट्री जो कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार अद्यतन की जा रही है में पारदर्शिता लाकर उचित पहचान करना।

(ii) विभिन्न राज्यों से सहयोग स्थापित कर 'पहचान की राजनीति' को खत्म करने के लिए शांतिपूर्वक तरीके से प्रयास करना।

(iii) सीमा-विवाद का उचित निवारण कर सीमा पर तारबंदी, उचित रेखांकन, चैकपोस्ट का विकास, तटीय सीमा पर भी पुलिस चौकियों का विकास सुनिश्चित करना चाहिये।

(iv) प्रस्थान बिंदु वाले देश से द्विपक्षीय बातचीत कर शरणार्थियों की पुनर्वापसी के उपाय करने चाहिये।

(v) भारतीय नागरिकता अधिनियम एवं 'विदेशी नागरिक अधिनियम' 1946 में उचित संशोधनकर विवाद का निपटारा।

अतः इन प्रयासों द्वारा शरणार्थी समस्या

अन्य महत्वपूर्ण उपाय लिखें ↓ राष्ट्रीय प्रशासन परिषद का गठन

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का उचित निपटान करना चाहिये। साथ ही यह ध्यान भी रखा जाना चाहिये कि वे भी मानव हैं और उनके मानवाधिकारों यथा भोजन, आवास, जीवन (अनुच्छेद 21) की भी यथासंभव सुरक्षा कर उनके पुनर्वास की व्यवस्था करने का भी प्रयास किया जाना चाहिये।

विषयवस्तु व प्रस्तुतिकरण दोनों स्तरों पर और बेहतर प्रयास की जरूरत।

3½/10

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

समग्र मूल्यांकन

(Overall Evaluation)

→ आपको विषयवस्तु की समझ है परन्तु निर्धारित अभ्यास की जरूरत है।

→ सभी प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास किया करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation